आजा कलयुग में लेके अवतार ओ गोविंद लिरिक्स

आजा कलयुग में लेके अवतार ओ गोविन्द
अपने भक्तो की सुनले पुकार ओ गोविन्द।

यमुना का पानी तोसे करता सवाल है
तेरे बिना देख जरा कैसा बुरा हाल है।
काहे तूने तोड़ लिया प्यार ओ गोविन्द
अपने भक्तो की सुनले पुकार ओ गोविन्द।।

निकला है सवा मन सोना जिस कोख से
गाये बिचारि मरे बिना चारे बिना भूख से।
गैय्या को दिया दुत्कार ओ गोविन्द
तेरे भक्तो की सुनले पुकार ओ गोविन्द।।

घर घर में माखन की जगह शराब है
कलयुगी गोपिया तो बहुत ही ख़राब है।
धर्म तो बन व्यापार ओ गोविन्द
अपने भक्तो की सुनले पुकार ओ गोविन्द।।

अब किसी द्रोपती बचती ना लाज रे
बिगड़ा जमाना भए उलटे ही काज रे।
कन्सो की बनी सरकार ओ गोविन्द
अपने भक्तो की सुनले पुकार ओ गोविन्द।।

आजा कलयुग में लेके अवतार ओ गोविन्द
अपने भक्तो की सुनले पुकार ओ गोविन्द।।

Aaja Kalyug Mein Leke Avtar O Govind Lyrics

Aaja Kalyug Mein Leke Avtar O Govind
Apne Bhakto Ki Sunle Pukaar O Govind

Yamuna Ka Pani Tose Karta Sawaal Hai
Tere Bina Dekh Jara Kaisa Bura Haal Hai
Kaahe Tune Tood Liya Pyaar O Govind
Apne Bhakto Ki Sunle Pukaar O Govind

Nikla Hai Sawa Man Sona Jis Kokh Se
Gaaye Bichari Mare Bina Chare Bina Bookh Se
Gaiya Ko Diya Dutkaar O Govind
Apne Bhakto Ki Sunle Pukaar O Govind

Ghar Ghar Me Makkhan Ki Jagah Sahraab Hai
Kalyugi Gopiya To Bahut Hi Khrab Hai
Dharm To Bana Vyapaar O Govind
Apne Bhakto Ki Sunle Pukaar O Govind

Ab Kisi Dropadi Ki Bachti Naa Laaj Re
Bigda Jamana Bhaye Ulte Hi Kaaj Re
Kanso Ki Bani Sarkaar O Govind
Apne Bhakto Ki Sunle Pukaar O Govind

Aaja Kalyug Mein Leke Avtar O Govind
Apne Bhakto Ki Sunle Pukaar O Govind